1

U1 7(3) Pedagogy of Economics

Q अर्थशास्त्र की प्रकृति की चर्चा कीजिए इसके विभिन्न आयामों (पक्ष) (विमायें) क्या है स्पष्ट करें

= अर्थशास्त्र की प्रकृति से अभिप्राय है कि अर्थशास्त्र कला है या विज्ञान या दोनों? अर्थशास्त्र विज्ञान व विज्ञान दोनों है? इस संबंध मे यह कहा जा सकता है कि अर्थशास्त्र एक विज्ञान है क्योंकि अन्य शास्त्रों की तरह इसमें भी नियम पाये जाते है। दूसरे शब्दो मे कह सकते है कि अर्थशास्त्र मे मानव के उस व्यवहार का अध्ययन किया जाता है जिसका सम्बन्ध choice making या valuation से है और इसके नियमों मे क्रमबद्धता भी पायी जाती है।

परन्तु इसके साथ ही यह कला भी है क्योंकि यह शास्त्र हमको अनेक व्यवहारिक समस्याओं को सुलझाने की विधि भी बताता है। व्यवहारिक विज्ञान शुद्ध विज्ञान से ज्ञान प्राप्त करता है और उसे अर्थशास्त्र की समस्याओं के हल के लिये लागू करता है। इस प्रकार शुद्ध विज्ञान उन साधनों को प्रदान करता है जिन्हे व्यवहारिक विज्ञान प्रयोग मे लाता है। अत: अर्थशास्त्र एक शुद्ध तथा व्यवहारिक विज्ञान है।

अर्थशास्त्र शिक्षण के आयाम निम्न है! —

(i) ऐतिहासिक (Historical) क्षेत्र

(ii) वैज्ञानिक (Scientific) क्षेत्र

(iii) प्रतीकात्मक या क्रियाकलापे क्षेत्र

(iv) कलात्मक या सौन्दर्यपरक क्षेत्र

(i) Historical Dimension! → ऐतिहासिक रूपों

किसी भी विषय वस्तु की परिकल्पना एक ऐसे क्षेत्र का निर्माण करता है जिसमें उसके वैसे तत्व सम्मिलित रहते है जो कहीं-न-कहीं उसकी उपयोगिता को सार्थक बनाता है चाहे वह क्षेत्र आर्थिक सामाजिक राजनीतिक क्यों न हो. यह एक तरह से जीवन की वैसी क्रियाओं से जोड़ने का कार्य करता है जो आवश्यक होती है।

(ii) वैज्ञानिक क्षेत्र :— व्यावहारिक रूपों में उत्पाद प्रक्रिया की प्रामाणिकता के लिए जिस आधार को जोड़ी जाती है वह आधार पूर्णतः शैक्षणिक दृष्टिकोण पर एक तकनीकि के द्वारा निर्धारित रहती है। उस तकनीकि के तहत स्थायी या अस्थायी रूपों में मूल्य निर्धारण को निर्मित करता है। यह मूल्य, मूल्य के सिद्धांत पर व नियम पर आधारित रहता है यही रूप रेखा वैज्ञानिक दृष्टिकोण में सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक दोनों को जोड़ने का कार्य करता है। यह एक नवीन धारणाओं को भी विकास के संबंधित सूचना से जोड़ता है जो हमेशा एक नियोजित ढंग से संचालित होती है और यह संचालन वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रतिफल आयाम है।

iii) प्रतिकात्मक या क्रियात्मक क्षेत्र → प्रतिकात्मक या क्रियात्मक उत्पाद प्रदर्शन के एक मॉडल या इमेज होता है जो हमेशा मूल्य आधारित सूचना को संकलित करता है और यह संकलन पूर्णतः एक अन्तरवस्तु के रूप में अनुभव के आधार पर प्राप्त होती है। यह एक प्रश्नोत्तरी क्रियाओं के रूप में प्रतिकात्मक क्षेत्रों को जोड़ती है।

iv.) कलात्मक या सौन्दर्यपरक क्षेत्र- यह एक प्रस्तुतीकरण के रूप में एक विवरण है जो उत्पाद के साथ आयात व निर्यात के क्षेत्रों को एक विज्ञापन के रूप में

जोड़ने का कार्य करता है। यह भाविक एवं अभाविक रूपों में आयात निर्यात की प्रक्रिया को जोड़ता है जिससे विपनन के क्षेत्रों का एक रूप विकसित होता है जिसे सौन्दर्यपरक मूल्य या आकर्षक कूटों में निर्धारित की जाती है और यह निर्धारण पूर्णतः विज्ञापन के आधार पर बाजारीकरण की प्रक्रिया से जुड़ता है और नये क्षेत्रों का निर्माण करता है।

उपर्युक्त अर्थशास्त्र शिक्षण के क्षेत्रों में यह एक नवीन आयाम है जो पूर्णतः मूल्य आधारित विपनन को जोड़ने का कार्य करती है इसके सभी क्षेत्र या पक्ष एक समानता के साथ विकसित होता है और इसके विकास विज्ञापन या मूल्य पर परस्पर क्षेत्रों को जोड़ने का कार्य करती है।